**प्रेषक,**

**मिशन निदेशक,**
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0,
विशाल कॉम्पलेक्स,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

**सेवा में,**

**समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी,**
**उत्तर प्रदेश।**

**पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0/CH/IYCF/18–14/2017–18/**3715-75 **दिनांक**18**/07/2017**

**विषय– विश्व स्तनपान सप्ताह'' दिनांक 01 से 07 अगस्त 2017'' के मध्य मनाये जाने के सम्बंध में।**

**महोदय,**

अवगत कराना है कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अगस्त माह का प्रथम सप्ताह **''विश्व स्तनपान सप्ताह''** के रुप में मनाया जाना है। यह सर्वविदित है कि शिशु के लिए स्तनपान सर्वोत्तम आहार तथा शिशु का मौलिक अधिकार है। मां का दूध शिशु के व्यापक विकास, मानसिक विकास, शिशु को डायरिया, निमोनिया एवं कुपोषण से बचाने और स्वास्थ के लिए आवश्यक है अतः शिशु को प्रथम छः माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाय तत्पश्चात मां के दूध के साथ घर पर बना पूरक पोषक आहार की शुरूआत की जाये। मां का दूध कम–से–कम दो वर्ष तक जारी रखा जाना आवश्यक है। विभिन्न शोधों से यह स्पष्ट हो चुका है कि स्तनपान से न केवल शिशुओं और मांताओं को बल्कि समाज और देश को भी कई प्रकार के लाभ होते है।

वर्ष 2015 में "लैन्सेट" द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि मात्र स्तनपान से 5 वर्ष तक के बच्चों में होने वाली मृत्यु की वैष्विक संख्या में 8,20,000 तक की कमी लायी जा सकती है यानि कि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 13 प्रतिशत मृत्यु को स्तनपान के व्यवहार अपनाकर बचाया जा सकता है। इन्ही आंकड़ों को यदि हम कमशः भारत और उत्तर प्रदेश पर लागू करते हैं तो 1,56,000 और 64,350 बच्चों की मृत्यु को बचाया जा सकता है।(स्रोत– ब्रेस्ट फीडिंग इनीशियेंटिव ऑफ इंडिया)। इसी रिपोर्ट से यह भी ज्ञात होता है कि अधिक समय तक स्तनपान करने वाले बच्चों की बुद्धि उन बच्चों की अपेक्षा 03 प्वाईट अधिक होती है जिन्हे मां का दूध थोड़े समय के लिये प्राप्त होता है। स्तनपान स्तन कैंसर से होने वाली मृत्यु को भी कम करता है।

06 माह तक केवल स्तनपान, दो साल तक और उसके बाद भी स्तनपान जारी रखने से शिशु उच्च गुणवत्ता वाली ऊर्जा एवं पोषक तत्व प्राप्त करता है। इससे भूख एवं कुपोषण की रोकथाम में मदद मिल सकती है। कृत्रिम भरण–पोषण की तुलना में स्तनपान प्राकृतिक और वहनीय (अफोर्डेबल) है।

विश्व के देशों द्वारा सन् 2015 में **Sustainable Development Goals (SDGs)** को अपनाया गया है। इसके कुल 17 उद्देश्य व 169 लक्ष्य है। यह उद्देश्य तथा लक्ष्य विश्व विकास के मार्ग दर्शक है तथा 2030 तक विश्व में विकास के लक्ष्यों को परिभाषित करते हैं। इन विकास लक्ष्यों के दृष्टिगत देश की स्थिति को जॉचना एवं आगे की रणनीति को तय करना आवश्यक हो गया है। **SDG** के 17 से 07 उद्देश्य (पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, आठवां, दसवां व तेरहवां) का स्तनपान से सीधा संबंध है। यह उद्देश्य गरीबी, भूख, बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापरक शिक्षा, आर्थिक प्रोन्नति, सामाजिक असमानता, तथा पर्यावरण संचरण से सम्बन्धित हैं।

**प्रदेश में एन0एफ0एच0एस0–04 (वर्ष 2015–16) के अनुसार 1 घन्टे के अन्दर स्तनपान की दर अभी भी मात्र 25.2 प्रतिशत है जो कि काफी कम है। छः माह तक केवल स्तनपान की दर 41.6 प्रतिशत अन्य प्रदेशों के तुलना में काफी कम है।**

अतः इस वर्ष हम सभी को व्यक्तिगत रूप से इस सप्ताह में अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। जनपद के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित कर **''विश्व स्तनपान सप्ताह 01–07 अगस्त 2017''** को सफल बनाने का कष्ट करें।

इस वर्ष 2017–18 का स्तनपान सप्ताह का थीम निम्नवत है :–

**"Sustaining Breastfeeding Together"**
**"निरंतर स्तनपान–एक साझा प्रयास"**

**जनपदों में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन करने हेतु निम्न गतिविधियां प्रस्तावित है।**

**स्तनपान सप्ताह से पूर्व की गतिविधियाँ–**

- जनपद व ब्लॉक स्तरीय सभी चिकित्सा इकाईयों को निर्देश दिया जाय कि लेबर रूम और पोस्ट नेटल वार्ड में जन्म के पहले घण्टे में स्तनपान शुरू करने में माँ को सहायता दी जाये। सभी चिकित्सा इकाई के अधीक्षक औचक निरीक्षण कर स्तनपान प्रोत्साहन व अपनाये जा रहे व्यवहार का स्वयं आंकलन करें। जिस चिकित्सा इकाई में शत प्रतिशत बच्चों को जुलाई माह में औचक निरीक्षण के दौरान स्तनपान व्यवहार अपनाता हुआ पाया गया, ऐसी चिकित्सा इकाईयों को स्तनपान सप्ताह के दौरान पुरस्कृत किया जायेगा।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सहायता हेतु एक **संक्षिप्त चेक लिस्ट संलग्न है।** स्तनपान सप्ताह के दौरान कम से कम एक चिकित्सा इकाई को चिन्हित कर अवश्य पुरस्कृत करें।
- Breastfeeding Champion प्रत्येक ब्लॉक से कम से कम एक Breastfeeding Champion का चयन करें तथा स्तनपान सप्ताह के दौरान सार्टिफिकेट के माध्यम से उन्हें पुरस्कृत करें। यह निर्णय ब्लॉक के चिकित्सा प्रभारी का होगा कि व ए0एन0एम0, आशा, आंगनबाड़ी, एन0जी0ओ0 के सदस्य में से किसी एक को चुने तथा चयनित सदस्य का कार्य किसी के द्वारा पुष्टि किया जाना होगा।
- सभी आशा को जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में बुलाकर माँ का आशा Toolkit की प्रतियां बांटे तथा अगस्त माह में अपने गाँव में पड़ने वाले वी0एच0एन0डी0 दिवस पर ए0एन0एम0 के साथ चर्चा करने हेतु एक महिला बैठक अवश्य आयोजित करें। इसके अतिरिक्त सप्ताह के दौरान दूरदर्शन, लखनऊ पर सांय काल 06:00 से 06:30 के मध्य मंगलवार/बुद्धवार, को स्तनपान सम्बन्धी कार्यक्रम दिखाया जायेगा। आशा आंगनबाड़ी कार्यकत्री के साथ मिलकर समुदाय को इस कार्यक्रम को देखने हेतु पूर्व से ही घर को चयनित कर व्यवस्था करेंगी।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी मीडिया कर्मियों के साथ 31 जुलाई 2017 को एक बैठक कर स्तनपान की महत्ता पर प्रकाश डांले।
- जिन जनपदों में स्वयं सहायता समूह, पोलियो, नेटवर्क अथवा महिला सामाख्या है, वहां पर इस समूहों से भी स्तनपान सप्ताह के पूर्व संपर्क किया जाना उचित होगा ताकि समुदाय में स्तनपान व ऊपरी आहार संबंधी demonstration सप्ताह के दौरान करायी जा सकें।
- यूनिसेफ के सहयोग से आप सभी के जनपदों में सरकार तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बनायी गयी फिल्मों व जिंगल्स आपके द्वारा प्रयोग करने हेतु CD शीघ्र उपलब्ध करायी जा रही हैं। आपसे अपेक्षा है कि आप अपने जनपदों में लोकल टी0वी0 चैनल, रेडियो तथा सिनेमा हॉल में इसको प्रयोग करने हेतु सूचना विभाग के नोडल अधिकारी से संपर्क करें। तथा इसका प्रयोग सुनिश्चित कराये।

**स्तनपान सप्ताह के दौरान की जाने वाली गतिविधियाँ–**

- स्तनपान सप्ताह के दौरान जनपद/ब्लाक स्तरीय वर्कशाप/बैठक तथा अन्य गतिविधियों को आयोजित किये जाने हेतु भारत सरकार द्वारा रू0 40,000/– प्रति जनपद के अनुसार धनराशि अनुमोदित की गयी है। सभी जनपदों से अपेक्षित है कि स्तनपान सप्ताह के दौरान एक निर्धारित दिन इस बैठक का आयोजन कर जनपद/ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य और आई0सी0डी0एस0 कर्मियों को बुलाकर स्तनपान/"MAA" (Mother's Absolute Affection) कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दें साथ में जन्म के पहले घण्टे में स्तनपान के महत्व को प्रोत्साहित करें। इसी बैठक के दौरान एक चिकित्सा इकाई को जोकि स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु प्रशंसनीय कार्य कर रही हो उसको प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित करें। पूर्व से चयनित प्रत्येक ब्लॉक से एक Breastfeeding Champion

को भी चुने और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करें। बैठक हेतु आवश्यक **प्रस्तुतीकरण** पत्र के साथ **संलग्न कर** प्रेषित किया जा रहा है। **(सार्टिफिकेट का प्रोटोटाइप संलग्न है)**

- अगस्त 2017 के माह में पड़ने वाले वी0एच0एन0डी0 के दिन सभी आशाओं को ए0एन0एम0 के साथ मिलकर छः माह तक केवल स्तनपान कराने तथा छः माह बाद ऊपरी आहार की शुरूआत करने हेतु जानकारी दी जाये।
- मैटरनिटी वार्ड, एस0एन0सी0यू0/के0एम0सी0, एनआर0सी0 इकाईयों में भी स्तनपान प्रोत्साहन सम्बन्धी गतिविधियां संचालित की जायेंगी। जहां पर टी0वी0 उपलब्ध है वहां विशेषतः इस गतिविधि का संचालन CD में दी गयी मूवी के माध्यम से किया जायेगा।
- स्वैच्छिक संस्थाओं से सहयोग लेकर प्रचार प्रसार हेतु पैम्फलेट व अन्य आई0ई0सी0 सामग्री विकसित कर गॉव–गॉव प्रचार–प्रसार किया जाये। दीवारों पर स्लोगन लिखवाये जॉय। सुलभ संदर्भ हेतु निम्न लिखित स्लोगन नीचे दिये जा रहे हैं।

01– "मॉ का पहला दूध पिलाओ
बीमारी को दूर भगाओ"।
02– "छः माह तक केवल मॉ का दूध,
बच्चे को रखें पानी, शहद और घुटटी से दूर"।
03– "छः माह तक मॉ का दूध, रखे सभी रोगों से दूर,
विटामिन ए से है भरपूर, सबसे अच्छा मॉ का दूध"।
04– "छः माह के बाद मॉ के दूध के साथ अर्ध ठोस आहार,
बने चुस्ती, फुर्ती और मजबूती का आधार"।
05– "सात माह तक क्या होवे शिशु का आहार,
मसली रोटी, चावल, दाल, आधा चम्मच घी के साथ"।

**वित्त पोषण :–**

**भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017–18 की आर0ओ0पी0 में स्वीकृत "विश्व स्तनपान सप्ताह 01–07 अगस्त 2017"** दौरान जनपदीय एवं ब्लाक स्तरीय वर्कशाप एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों हेतु FMR Code-B.10.3.2.1 पर **रू0 40,000/– प्रति** जनपद की दर से एवं जनपद में आई0ई0सी0 एवं मास मीडिया गतिविधियों हेतु **रू0 10,000/– प्रति** जनपद की दर से धनराशि समस्त जनपदों की जिला स्वास्थ्य समितियों को आई0ई0सी0 अनुभाग, एस0पी0एम0यू0 के द्वारा अवमुक्त की जा रही है।

**अनुश्रवण एवं मूल्यांकनः–**

मण्डलीय अपर निदेशक अपने कार्यक्रम के अनुसार जनपदों में आयोजित विशेष बैठकों में भ्रमण कर मार्गदर्शन दें तथा बैठकों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित आशाओं की बैठकों में इस सप्ताह एव माह के दौरान आशाओं को प्रशिक्षित करें तथा कार्यक्रम में गति लाने के प्रयास करें। कार्यक्रम के एक सप्ताह के उपरान्त अपनी रिपोर्ट संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश के ई–मेल jdrchup@gmail.com एवं महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के ई–मेल gmchildhealthnrhm@gmail.com पर साफ्ट एवं स्कैन कॉपी मुख्य चिकित्सा अधिकारी / नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर सहित उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

**संलग्नक–उपरोक्तानुसार**

**भवदीय,**

(आलोक कुमार)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0/CH/IYCF/18–14/2017–18/ दिनांक /07/2017

**प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–**

1. **प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य** एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन।
2. **प्रमुख सचिव महिला** एवं बाल विकास, उत्तर प्रदेष शासन।
3. **महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन,** तृतीय तल इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
4. **महानिदेशक, परिवार कल्याण,** परिवार कल्याण महानिदेशालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
5. **निदेशक, बाल विकास,** सेवा एवं पुष्ठाहार, इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
6. **कुलपति,** किंगजार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, **लखनऊ**/अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, **अलीगढ़**/उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, **सैफई, इटावा।**
7. **समस्त मण्डलीय अपर निदेशक**, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश ।
8. **समस्त ज़िलाधिकारी,**/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, उत्तर प्रदेश।
9. **प्रधानाचार्य,** एम0एल0एन0, मेडिकल कॉलेज **इलाहाबाद**/एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज **मेरठ**/एस0एन0, मेडिकल कॉलेज **आगरा**/जी0एस0वी0एम0, मेडिकल कॉलेज **कानपुर**/बी0आर0डी0, मेडिकल कॉलेज **गोरखपुर**/आर0एल0बी0, मेडिकल कॉलेज **झॉसी।**
10. **विभागाध्यक्ष, बालरोग विभाग**/नोडल अधिकारी, एस0एन0सी0यू0, किगंजार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, **लखनऊ**/जे0एन0 मेडिकल कॉलेज **अलीगढ़**/एम0एल0एन0 मेडिकल कॉलेज **इलाहाबाद**/एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज **मेरठ**/एस0एन0, मेडिकल कॉलेज **आगरा**/जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कॉलेज **कानपुर**/बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज **गोरखपुर**/आर0एल0बी0, मेडिकल कॉलेज **झॉसी,** उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, **सैफई, इटावा**
11. **संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0**, परिवार कल्याण महानिदेषालय, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
12. **समस्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,** (जिला महिला चिकित्सालय) उत्तर प्रदेश।
13. **महाप्रबन्धक, आई0ई0सी0,** एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
14. **न्यूट्रीशन स्पेशलिस्ट, यूनीसेफ**, बी–3/258, विशाल खन्ड, गोमती नगर, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
15. **समस्त मण्डलीय एवं जनपदीय** कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश को इस निर्देश के साथ की पत्र प्रति अपने जनपद के उल्लेखित अधिकारियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

**(डा0 अनिल कुमार वर्मा)**
महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य

प्रेषक,

**मिशन निदेशक,**
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0,
विशाल कॉम्पलेक्स,
19–ए, विधान सभा मार्ग, लखनऊ।

सेवा में,

**समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी,**
**उत्तर प्रदेश।**

पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0/CH/IYCF/18–14/2017–18/ दिनांक 18/07/2017

**विषय– विश्व स्तनपान सप्ताह'' दिनांक 01 से 07 अगस्त 2017'' के मध्य मनाये जाने के सम्बंध में।**

**महोदय,**

अवगत कराना है कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अगस्त माह का प्रथम सप्ताह **''विश्व स्तनपान सप्ताह''** के रुप में मनाया जाना है। यह सर्वविदित है कि शिशु के लिए स्तनपान सर्वोत्तम आहार तथा शिशु का मौलिक अधिकार है। मां का दूध शिशु के व्यापक विकास, मानसिक विकास, शिशु को डायरिया, निमोनिया एवं कुपोषण से बचाने और स्वास्थ के लिए आवश्यक है अतः शिशु को प्रथम छः माह तक केवल मां का दूध ही दिया जाय तत्पश्चात मां के दूध के साथ घर पर बना पूरक पोषक आहार की शुरूआत की जाये। मां का दूध कम–से–कम दो वर्ष तक जारी रखा जाना आवश्यक है। विभिन्न शोधों से यह स्पष्ट हो चुका है कि स्तनपान से न केवल शिशुओं और मांताओं को बल्कि समाज और देश को भी कई प्रकार के लाभ होते है।

वर्ष 2015 में "लैन्सेट" द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि मात्र स्तनपान से 5 वर्ष तक के बच्चों में होने वाली मृत्यु की वैष्विक संख्या में 8,20,000 तक की कमी लायी जा सकती है यानि कि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 13 प्रतिशत मृत्यु को स्तनपान के व्यवहार अपनाकर बचाया जा सकता है। इन्ही आंकड़ों को यदि हम कमशः भारत और उत्तर प्रदेश पर लागू करते हैं तो 1,56,000 और 64,350 बच्चों की मृत्यु को बचाया जा सकता है।(स्रोत– ब्रेस्ट फीडिंग इनीशियेंटिव ऑफ इंडिया)। इसी रिपोर्ट से यह भी ज्ञात होता है कि अधिक समय तक स्तनपान करने वाले बच्चों की बुद्धि उन बच्चों की अपेक्षा 03 प्वाईट अधिक होती है जिन्हे मां का दूध थोड़े समय के लिये प्राप्त होता है। स्तनपान स्तन कैंसर से होने वाली मृत्यु को भी कम करता है।

06 माह तक केवल स्तनपान, दो साल तक और उसके बाद भी स्तनपान जारी रखने से शिशु उच्च गुणवत्ता वाली ऊर्जा एवं पोषक तत्व प्राप्त करता है। इससे भूख एवं कुपोषण की रोकथाम में मदद मिल सकती है। कृत्रिम भरण–पोषण की तुलना में स्तनपान प्राकृतिक और वहनीय (अफोर्डेबल) है।

विश्व के देशों द्वारा सन् 2015 में **Sustainable Development Goals (SDGs)** को अपनाया गया है। इसके कुल 17 उद्देश्य व 169 लक्ष्य है। यह उद्देश्य तथा लक्ष्य विश्व विकास के मार्ग दर्शक है तथा 2030 तक विश्व में विकास के लक्ष्यों को परिभाषित करते हैं। इन विकास लक्ष्यों के दृष्टिगत देश की स्थिति को जॉचना एवं आगे की रणनीति को तय करना आवश्यक हो गया है। **SDG** के 17 से 07 उद्देश्य (पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, आठवां, दसवां व तेरहवां) का स्तनपान से सीधा संबंध है। यह उद्देश्य गरीबी, भूख, बेहतर स्वास्थ्य, गुणवत्तापरक शिक्षा, आर्थिक प्रोन्नति, सामाजिक असमानता, तथा पर्यावरण संचरण से सम्बन्धित हैं।

**प्रदेश में एन0एफ0एच0एस0–04 (वर्ष 2015–16) के अनुसार 1 घन्टे के अन्दर स्तनपान की दर अभी भी मात्र 25.2 प्रतिशत है जो कि काफी कम है। छः माह तक केवल स्तनपान की दर 41.6 प्रतिशत अन्य प्रदेशों के तुलना में काफी कम है।**

अतः इस वर्ष हम सभी को व्यक्तिगत रूप से इस सप्ताह में अथक प्रयास करने की आवश्यकता है। जनपद के सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रोत्साहित कर **''विश्व स्तनपान सप्ताह 01–07 अगस्त 2017''** को सफल बनाने का कष्ट करें।

इस वर्ष 2017–18 का स्तनपान सप्ताह का थीम निम्नवत है :–

**"Sustaining Breastfeeding Together"**
**"निरंतर स्तनपान–एक साझा प्रयास"**

**जनपदों में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन करने हेतु निम्न गतिविधियां प्रस्तावित है।**

**स्तनपान सप्ताह से पूर्व की गतिविधियाँ–**

- जनपद व ब्लॉक स्तरीय सभी चिकित्सा इकाईयों को निर्देश दिया जाय कि लेबर रूम और पोस्ट नेटल वार्ड में जन्म के पहले घण्टे में स्तनपान शुरू करने में माँ को सहायता दी जाये। सभी चिकित्सा इकाई के अधीक्षक औचक निरीक्षण कर स्तनपान प्रोत्साहन व अपनाये जा रहे व्यवहार का स्वयं आंकलन करें। जिस चिकित्सा इकाई में शत प्रतिशत बच्चों को जुलाई माह में औचक निरीक्षण के दौरान स्तनपान व्यवहार अपनाता हुआ पाया गया, ऐसी चिकित्सा इकाईयों को स्तनपान सप्ताह के दौरान पुरस्कृत किया जायेगा।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को सहायता हेतु एक **संक्षिप्त चेक लिस्ट संलग्न है।** स्तनपान सप्ताह के दौरान कम से कम एक चिकित्सा इकाई को चिन्हित कर अवश्य पुरस्कृत करें।
- Breastfeeding Champion प्रत्येक ब्लॉक से कम से कम एक Breastfeeding Champion का चयन करें तथा स्तनपान सप्ताह के दौरान सार्टिफिकेट के माध्यम से उन्हें पुरस्कृत करें। यह निर्णय ब्लॉक के चिकित्सा प्रभारी का होगा कि व ए0एन0एम0, आशा, आंगनबाड़ी, एन0जी0ओ0 के सदस्य में से किसी एक को चुने तथा चयनित सदस्य का कार्य किसी के द्वारा पुष्टि किया जाना होगा।
- सभी आशा को जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में बुलाकर माँ का आशा Toolkit की प्रतियां बांटे तथा अगस्त माह में अपने गाँव में पड़ने वाले वी0एच0एन0डी0 दिवस पर ए0एन0एम0 के साथ चर्चा करने हेतु एक महिला बैठक अवश्य आयोजित करें। इसके अतिरिक्त सप्ताह के दौरान दूरदर्शन, लखनऊ पर सांय काल 06:00 से 06:30 के मध्य मंगलवार/बुद्धवार, को स्तनपान सम्बन्धी कार्यक्रम दिखाया जायेगा। आशा आंगनबाड़ी कार्यकत्री के साथ मिलकर समुदाय को इस कार्यक्रम को देखने हेतु पूर्व से ही घर को चयनित कर व्यवस्था करेंगी।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी मीडिया कर्मियों के साथ 31 जुलाई 2017 को एक बैठक कर स्तनपान की महत्ता पर प्रकाश डांले।
- जिन जनपदों में स्वयं सहायता समूह, पोलियो, नेटवर्क अथवा महिला सामाख्या है, वहां पर इस समूहों से भी स्तनपान सप्ताह के पूर्व संपर्क किया जाना उचित होगा ताकि समुदाय में स्तनपान व ऊपरी आहार संबंधी demonstration सप्ताह के दौरान करायी जा सकें।
- यूनिसेफ के सहयोग से आप सभी के जनपदों में सरकार तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बनायी गयी फिल्मों व जिंगल्स आपके द्वारा प्रयोग करने हेतु CD शीघ्र उपलब्ध करायी जा रही हैं। आपसे अपेक्षा है कि आप अपने जनपदों में लोकल टी0वी0 चैनल, रेडियो तथा सिनेमा हॉल में इसको प्रयोग करने हेतु सूचना विभाग के नोडल अधिकारी से संपर्क करें। तथा इसका प्रयोग सुनिश्चित कराये।

**स्तनपान सप्ताह के दौरान की जाने वाली गतिविधियाँ–**

- स्तनपान सप्ताह के दौरान जनपद/ब्लाक स्तरीय वर्कशाप/बैठक तथा अन्य गतिविधियों को आयोजित किये जाने हेतु भारत सरकार द्वारा रू0 40,000/– प्रति जनपद के अनुसार धनराशि अनुमोदित की गयी है। सभी जनपदों से अपेक्षित है कि स्तनपान सप्ताह के दौरान एक निर्धारित दिन इस बैठक का आयोजन कर जनपद/ब्लॉक स्तर के स्वास्थ्य और आई0सी0डी0एस0 कर्मियों को बुलाकर स्तनपान/"MAA" (Mother's Absolute Affection) कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दें साथ में जन्म के पहले घण्टे में स्तनपान के महत्व को प्रोत्साहित करें। इसी बैठक के दौरान एक चिकित्सा इकाई को जोकि स्तनपान को बढ़ावा देने हेतु प्रशंसनीय कार्य कर रही हो उसको प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित करें। पूर्व से चयनित प्रत्येक ब्लॉक से एक Breastfeeding Champion

को भी चुने और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करें। बैठक हेतु आवश्यक **प्रस्तुतीकरण** पत्र के साथ **संलग्न कर** प्रेषित किया जा रहा है। **(सार्टिफिकेट का प्रोटोटाइप संलग्न है)**

- अगस्त 2017 के माह में पड़ने वाले वी0एच0एन0डी0 के दिन सभी आशाओं को ए0एन0एम0 के साथ मिलकर छः माह तक केवल स्तनपान कराने तथा छः माह बाद ऊपरी आहार की शुरूआत करने हेतु जानकारी दी जाये।
- मैटरनिटी वार्ड, एस0एन0सी0यू0/के0एम0सी0, एनआर0सी0 इकाईयों में भी स्तनपान प्रोत्साहन सम्बन्धी गतिविधियां संचालित की जायेंगी। जहां पर टी0वी0 उपलब्ध है वहां विशेषतः इस गतिविधि का संचालन CD में दी गयी मूवी के माध्यम से किया जायेगा।
- स्वैच्छिक संस्थाओं से सहयोग लेकर प्रचार प्रसार हेतु पैम्फलेट व अन्य आई0ई0सी0 सामग्री विकसित कर गॉव–गॉव प्रचार–प्रसार किया जाये। दीवारों पर स्लोगन लिखवाये जॉय। सुलभ संदर्भ हेतु निम्न लिखित स्लोगन नीचे दिये जा रहे हैं।

01– ''मॉ का पहला दूध पिलाओ
बीमारी को दूर भगाओ''।
02– ''छः माह तक केवल मॉ का दूध,
बच्चे को रखें पानी, शहद और घुटटी से दूर''।
03– ''छः माह तक मॉ का दूध, रखे सभी रोगों से दूर,
विटामिन ए से है भरपूर, सबसे अच्छा मॉ का दूध''।
04– ''छः माह के बाद मॉ के दूध के साथ अर्ध ठोस आहार,
बने चुस्ती, फुर्ती और मजबूती का आधार''।
05– ''सात माह तक क्या होवे शिशु का आहार,
मसली रोटी, चावल, दाल, आधा चम्मच घी के साथ''।

**वित्त पोषण :–**

**भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017–18 की आर0ओ0पी0 में स्वीकृत ''विश्व स्तनपान सप्ताह 01–07 अगस्त 2017''** दौरान जनपदीय एवं ब्लाक स्तरीय वर्कशाप एवं अन्य सम्बन्धित गतिविधियों हेतु FMR Code-B.10.3.2.1 पर **रू0 40,000/– प्रति** जनपद की दर से एवं जनपद में आई0ई0सी0 एवं मास मीडिया गतिविधियों हेतु **रू0 10,000/– प्रति** जनपद की दर से धनराशि समस्त जनपदों की जिला स्वास्थ्य समितियों को आई0ई0सी0 अनुभाग, एस0पी0एम0यू0 के द्वारा अवमुक्त की जा रही है।

**अनुश्रवण एवं मूल्यांकनः–**

मण्डलीय अपर निदेशक अपने कार्यक्रम के अनुसार जनपदों में आयोजित विशेष बैठकों में भ्रमण कर मार्गदर्शन दें तथा बैठकों को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। जिला कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित आशाओं की बैठकों में इस सप्ताह एव माह के दौरान आशाओं को प्रशिक्षित करें तथा कार्यक्रम में गति लाने के प्रयास करें। कार्यक्रम के एक सप्ताह के उपरान्त अपनी रिपोर्ट संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश के ई–मेल jdrchup@gmail.com एवं महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश के ई–मेल gmchildhealthnrhm@gmail.com पर साफ्ट एवं स्कैन कॉपी मुख्य चिकित्सा अधिकारी / नोडल अधिकारी के हस्ताक्षर सहित उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

**संलग्नक–उपरोक्तानुसार**

**भवदीय,**

**(आलोक कुमार)**
मिशन निदेशक

पत्र संख्या–एस0पी0एम0यू0/CH/IYCF/18–14/2017–18/3715-75-15 दिनांक /07/2017

**प्रतिलिपि–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–**

1. **प्रमुख सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य** एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन।
2. **प्रमुख सचिव महिला** एवं बाल विकास, उत्तर प्रदेष शासन।
3. **महानिदेशक, राज्य पोषण मिशन,** तृतीय तल इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
4. **महानिदेशक, परिवार कल्याण,** परिवार कल्याण महानिदेशालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
5. **निदेशक, बाल विकास,** सेवा एवं पुष्ठाहार, इन्दिरा भवन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
6. **कुलपति,** किंगजार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, **लखनऊ**/अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, **अलीगढ़**/उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, **सैफई, इटावा।**
7. **समस्त मण्डलीय अपर निदेशक**, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश ।
8. **समस्त ज़िलाधिकारी,**/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, उत्तर प्रदेश।
9. **प्रधानाचार्य,** एम0एल0एन0, मेडिकल कॉलेज **इलाहाबाद**/एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज **मेरठ**/एस0एन0, मेडिकल कॉलेज **आगरा**/जी0एस0वी0एम0, मेडिकल कॉलेज **कानपुर**/बी0आर0डी0, मेडिकल कॉलेज **गोरखपुर**/आर0एल0बी0, मेडिकल कॉलेज **झाँसी।**
10. **विभागाध्यक्ष, बालरोग विभाग**/नोडल अधिकारी, एस0एन0सी0यू0, किगंजार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, **लखनऊ**/जे0एन0 मेडिकल कॉलेज **अलीगढ़**/एम0एल0एन0 मेडिकल कॉलेज **इलाहाबाद**/एल0एल0आर0एम0, मेडिकल कॉलेज **मेरठ**/एस0एन0, मेडिकल कॉलेज **आगरा**/जी0एस0वी0एम0 मेडिकल कॉलेज **कानपुर**/बी0आर0डी0 मेडिकल कॉलेज **गोरखपुर**/आर0एल0बी0, मेडिकल कॉलेज **झाँसी,** उ0प्र0 आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, **सैफई, इटावा**
11. **संयुक्त निदेशक, आर0सी0एच0**, परिवार कल्याण महानिदेषालय, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
12. **समस्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका,** (जिला महिला चिकित्सालय) उत्तर प्रदेश।
13. **महाप्रबन्धक, आई0ई0सी0,** एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
14. **न्यूट्रीशन स्पेशलिस्ट, यूनीसेफ**, बी–3/258, विशाल खन्ड, गोमती नगर, उत्तर प्रदेश लखनऊ।
15. **समस्त मण्डलीय एवं जनपदीय** कार्यक्रम प्रबंधन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश को इस निर्देश के साथ की पत्र प्रति अपने जनपद के उल्लेखित अधिकारियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

**(डा0 अनिल कुमार वर्मा)**
महाप्रबन्धक, बाल स्वास्थ्य